आईआईएम के स्थापना दिवस पर मूल्यों व भविष्य की दृष्टि पर चर्चा

कार्यक्रम. आइआइएम रांची का 17वां स्थापना दिवस समारोह मना, रामकृष्ण वेदांत केंद्र के स्वामी सर्वस्थानंद ने कहा

आध्यात्मिक मूल्यों के साथ नवाचार ही भारत की असली शक्ति

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

रामकृष्ण वेदांत केंद्र के स्वामी सर्वस्थानंद ने कहा कि भारत की शक्ति उसकी प्राचीन आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक वैश्विक आकांक्षाओं के संतुलन में निहित है. उन्होंने विश्व सभ्यताओं के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि रोमन प्रणालियों ने आधुनिक प्रशासन और लोकतंत्र की नींव रखी, ग्रीक प्रणालियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाया, जबकि भारतीय आध्यात्मिकता ने शांति, करुणा और आत्मबोध के माध्यम से चुपचाप लेकिन गहराई से विश्व को दिशा दी. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शक्ति और समृद्धि को शांति, दया और विनम्रता जैसे सार्वभौमिक मूल्यों से अलग कर दिया जाए, तो वे आत्म-विनाशकारी बन सकती हैं. वे सोमवार को आइआइएम रांची के 17वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बोल रहे थे.

स्वामी सर्वस्थानंद ने कहा कि भारत का भविष्य तब उज्ज्वल होगा जब वह पश्चिम की प्रशासनिक दक्षता और वैज्ञानिक सोच को अपनी आध्यात्मिक गहराई से जोड़ेगा. उन्होंने युवाओं से लोकतंत्र, स्वतंत्र अनुसंधान और स्वदेशी विनिर्माण की शक्ति को समझते हुए भारतीय संभ्यता के मूल आध्यात्मिक मूल्यों पर दृढ़ रहने का आह्वान किया. कार्यक्रम के दौरान आइआइएम रांची की अब तक की यात्रा, उसके मूल्यों और भविष्य की आकांक्षाओं पर भी विचार साझा किए गए.

स्वामी सर्वस्थानंद का सम्मान करते आइआइएम रांची के पदाधिकारी.

छात्रों के साथ-साथ कर्मचारियों को भी मिला सम्मान

संस्थान ने एमबीए, एमबीए-एचआर, एमबीए-बीए, आईपीएम और एग्जीक्यूटिव एमबीए (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन बैच) सहित विभिन्न कार्यक्रमों के उत्तीर्ण छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता, निरंतरता और नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में संस्थान के विकास और प्रगति के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, संस्थान को 10 वर्षों की समर्पित सेवा पूरी करने वाले संकाय और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया.

संस्थान के निदेशक ने 16 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं : आइआइएम के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान के 16 वर्षों के प्रेरक सफर को साझा किया. उन्होंने बताया कि सीमित शिक्षकों और विद्यार्थियों के छोटे समूह से शुरू हुआ आइआइएम आज एक हजार से अधिक सदस्यों वाला जीवंत शैक्षणिक समुदाय बन चुका है. इस संदर्भ में उन्होंने नोबेल पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल का उदाहरण देते हुए सकारात्मक और सार्थक योगदान पर बल दिया.

इनकी रही मौजूदगी

समारोह में आइआइएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य ओम प्रकाश सिंघानिया, प्रो अमित सचान, प्रो तनुश्री दत्ता, व प्रो आनंद समेत विद्यार्थी मौजूद थे. समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति हुई. इसमें आइआइएम रांची के छात्रों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उत्साह का प्रदर्शन किया गया.

Prabhat Khabar_16.12.2025_P. 11

कार्यक्रम. आइआइएम रांची का 17वां स्थापना दिवस समारोह मना, रामकृष्ण वेदांत केंद्र के स्वामी सर्वस्थानंद ने कहा

आध्यात्मिक मूल्यों के साथ नवाचार ही भारत की असली शक्ति

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

रामकृष्ण वेदांत केंद्र के स्वामी सर्वस्थानंद ने कहा कि भारत की शक्ति उसकी प्राचीन आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक वैश्विक आकांक्षाओं के संतुलन में निहित है. उन्होंने विश्व सभ्यताओं के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि रोमन प्रणालियों ने आधुनिक प्रशासन और लोकतंत्र की नींव रखी, ग्रीक प्रणालियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाया, जबकि भारतीय आध्यात्मिकता ने शांति, करुणा और आत्मबोध के माध्यम से चुपचाप लेकिन गहराई से विश्व को दिशा दी. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शक्ति और समृद्धि को शांति, दया और विनम्रता जैसे सार्वभौमिक मूल्यों से अलग कर दिया जाए, तो वे आत्म-विनाशकारी बन सकती हैं. वे सोमवार को आइआइएम रांची के 17वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बोल रहे थे.

स्वामी सर्वस्थानंद ने कहा कि भारत का भविष्य तब उज्ज्वल होगा जब वह पश्चिम की प्रशासनिक दक्षता और वैज्ञानिक सोच को अपनी आध्यात्मिक गहराई से जोड़ेगा. उन्होंने युवाओं से लोकतंत्र, स्वतंत्र अनुसंधान और स्वदेशी विनिर्माण की शक्ति को समझते हुए भारतीय संभ्यता के मूल आध्यात्मिक मूल्यों पर दृढ़ रहने का आह्वान किया. कार्यक्रम के दौरान आइआइएम रांची की अब तक की यात्रा, उसके मूल्यों और भविष्य की आकांक्षाओं पर भी विचार साझा किए गए.

स्वामी सर्वस्थानंद का सम्मान करते आइआइएम रांची के पदाधिकारी.

छात्रों के साथ-साथ कर्मचारियों को भी मिला सम्मान

संस्थान ने एमबीए, एमबीए-एचआर, एमबीए-बीए, आईपीएम और एग्जीक्यूटिव एमबीए (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन बैच) सहित विभिन्न कार्यक्रमों के उत्तीर्ण छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता, निरंतरता और नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में संस्थान के विकास और प्रगति के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, संस्थान को 10 वर्षों की समर्पित सेवा पूरी करने वाले संकाय और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया.

संस्थान के निदेशक ने 16 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं : आइआइएम के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान के 16 वर्षों के प्रेरक सफर को साझा किया. उन्होंने बताया कि सीमित शिक्षकों और विद्यार्थियों के छोटे समूह से शुरू हुआ आइआइएम आज एक हजार से अधिक सदस्यों वाला जीवंत शैक्षणिक समुदाय बन चुका है. इस संदर्भ में उन्होंने नोबेल पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल का उदाहरण देते हुए सकारात्मक और सार्थक योगदान पर बल दिया.

इनकी रही मौजूदगी

समारोह में आइआइएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य ओम प्रकाश सिंघानिया, प्रो अमित सचान, प्रो तनुश्री दत्ता, व प्रो आनंद समेत विद्यार्थी मौजूद थे. समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति हुई. इसमें आइआइएम रांची के छात्रों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उत्साह का प्रदर्शन किया गया.

Prabhat Khabar_16.12.2025_P. 11